

यूपीआईटीएस: सीएम योगी ने वैश्विक निवेशकों को दिया आमंत्रण, डिफेंस से लेकर कृषि और टेक साझेदारी पर जोर

पार्टनर देशों के प्रतिनिधियों के साथ राउंड टेबल बैठक में निवेश, व्यापार और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा

ग्रेटर नोएडा, 25 सितंबर। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के शुभारंभ के बाद माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर, वियतनाम, रूस, बेलारूस, जापान और ऑस्ट्रिया सहित पार्टनर देशों के प्रतिनिधियों के साथ राउंड टेबल बैठक कर प्रदेश में निवेश और कारोबार के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ 25 करोड़ आबादी वाला विशाल उपभोक्ता बाजार है, जहां युवा मानव संसाधन, उर्वर भूमि और पर्याप्त जल संसाधन निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न देशों की कंपनियों को मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, डिफेंस, फार्मा, मेडिकल डिवाइस, कृषि, मशीनरी और वुड टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। वियतनाम के प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा में उन्होंने यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए लखनऊ, वाराणसी और नोएडा से हनोई तक सीधी हवाई सेवाएं शुरू करने का प्रस्ताव रखा, जिससे व्यापार और पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

रूस के साथ हुई वार्ता में मुख्यमंत्री ने डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, लखनऊ में स्थापित ब्रह्मोस यूनिट और प्रदेश में हो रहे एके-203 राइफल निर्माण का उल्लेख करते हुए रूसी कंपनियों को कानपुर में रक्षा विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने का न्योता दिया। उन्होंने नोएडा के मेडिकल डिवाइस पार्क, बुंदेलखंड के फार्मा पार्क और ललितपुर के बल्क ड्रग पार्क में निवेश एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की संभावनाएं भी साझा कीं। कृषि एवं फर्टिलाइजर सप्लाई चेन को भी दोनों पक्षों के सहयोग का महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया।

बेलारूस के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने कृषि, हेवी मशीनरी और ट्रैक्टर निर्माण के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने ओडीओपी के अंतर्गत सहारनपुर और बिजनौर के वुड क्लस्टर्स को बेलारूस की आधुनिक वुड टेक्नोलॉजी से जोड़ने का प्रस्ताव भी रखा।

जापान के साथ आर्थिक विकास, निवेश और सांस्कृतिक सहयोग तथा सिंगापुर के साथ प्रस्तावित सिंगापुर सिटी परियोजना और निवेश साझेदारी पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपीआईटीएस वैश्विक व्यापार, तकनीक और निवेश के नए अवसरों का मजबूत मंच बनकर उभर रहा है और उत्तर प्रदेश की वैश्विक औद्योगिक पहचान को नई मजबूती दे रहा है।
